

ब्रिक्स में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़ा संदेश- ‘हम किसी के खिलाफ नहीं’, सबको साथ लेकर चलने की सोच पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विदेश नीति और संगठन के प्रति उसके दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत किसी के खिलाफ नहीं है। भारत की सोच सभी देशों को साथ लेकर चलने, आपसी सम्मान और सहयोग के आधार पर आगे बढ़ने की है। मोदी का यह संदेश ऐसे समय आया है, जब वैश्विक स्तर पर कई मुद्दों को लेकर देशों के बीच तनाव और मतभेद बने हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स की ताकत उसकी विविधता में है। संगठन में शामिल देशों के हित और प्राथमिकताएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन साझा हितों और आपसी सहयोग के मुद्दों पर एक साथ आगे बढ़ना जरूरी है। भारत का प्रयास है कि ब्रिक्स ऐसा मंच बने, जहां मतभेदों के बावजूद संवाद और सहमति के रास्ते तलाश जा सकें। ब्रिक्स सम्मेलन में पश्चिम एशिया की स्थिति भी महत्वपूर्ण मुद्दा रही। ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अपने-अपने क्षेत्रीय हित और कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख हैं। इसके



भारत ने संवाद और कूटनीति को बताया रास्ता

भारत लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश भी इसी नीति के अनुरूप रहा। उनका जोर इस बात पर रहा कि देशों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इन मतभेदों को बातचीत के जरिए कम करने और साझा हितों पर सहयोग बढ़ाने की कोशिश जारी रहनी चाहिए। ब्रिक्स में भारत का रुख यह भी दर्शाता है कि नई दिल्ली किसी एक खेमे के साथ खड़े होने के बजाय अलग-अलग देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहती है। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा संबंध हैं। इसलिए क्षेत्रीय तनाव के बीच भारत की संतुलित भूमिका को विशेष महत्व मिलता है।

बावजूद ब्रिक्स के संयुक्त बयान पर सहमति बनना इस सम्मेलन की अहम उपलब्धियों में माना जा रहा है। पश्चिम

एशिया में जारी तनाव और संघर्ष का असर केवल क्षेत्र तक सीमित नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, तेल की

ब्रिक्स के लिए क्यों अहम है यह सहमति?

ब्रिक्स के विस्तार के बाद संगठन में अलग-अलग क्षेत्रों और राजनीतिक परिस्थितियों वाले देशों की भागीदारी बढ़ी है। ऐसे में सभी सदस्यों के बीच किसी साझा मुद्दे पर सहमति बनाना पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। ईरान, सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रभावशाली पश्चिम एशियाई देशों के बीच संयुक्त बयान पर सहमति इस बात का संकेत है कि मतभेदों के बावजूद बहुपक्षीय मंचों पर साझा जमीन तलाशना संभव है। प्रधानमंत्री मोदी का 'किसी के खिलाफ नहीं' वाला संदेश इसी व्यापक दृष्टिकोण को सामने रखता है। भारत ब्रिक्स को किसी विशेष देश या समूह के विरोध के मंच के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, वैश्विक सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत करने वाले मंच के रूप में देखना चाहता है।

भारत की कूटनीति को मिला नया आयाम

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नई दिल्ली के अमेरिका, रूस, यूरोप और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अलग-अलग स्तर पर मजबूत संबंध हैं। ऐसे में भारत का प्रयास रहता है कि वह किसी एक पक्ष के साथ टकराव की नीति अपनाने के बजाय संवाद के लिए जगह बनाए रखे। मोदी का संदेश इसी नीति को रेखांकित करता है-भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि अधिक से अधिक देशों को साथ लेकर वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशना है। ब्रिक्स के संयुक्त बयान पर सहमति और पश्चिम एशिया के देशों के बीच संवाद की संभावना इस दृष्टिकोण को और मजबूत करती है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच बहुपक्षीय मंचों की भूमिका आने वाले समय में और महत्वपूर्ण हो सकती है।

कीमती और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। ऐसे में ब्रिक्स जैसे बड़े बहुपक्षीय मंच पर इन

देशों का साझा बयान के लिए एकमत होना कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लखनऊ में 68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन डिप्टी सीएम केशव मोर्य के आवास के बाहर हंगामा

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 68,500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों को लेकर लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य के आवास की ओर पहुंचे और वहां अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस तथा अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की की बात सामने आई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबे समय से लंबित भर्ती प्रक्रिया और उससे जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। उनका आरोप है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। इसी वजह से वे सरकार का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहेंगे। उनका कहना है कि जब तक भर्ती से जुड़े मुद्दों पर ठोस फैसला नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।



पुलिस से धक्का-मुक्की, अभ्यर्थियों ने लगाए आरोप

प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बनी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर उनके साथ बल प्रयोग करने का आरोप लगाया। अभ्यर्थियों की ओर से कपड़े फाड़ने का आरोप भी लगाया गया है। हालांकि, घटनाक्रम के अलग-अलग पक्षों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। मौके पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने और उन्हें आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया।

लंबे समय से भर्ती को लेकर आंदोलन

68,500 शिक्षक भर्ती का मामला लंबे समय से अभ्यर्थियों के बीच चर्चा और आंदोलन का विषय रहा है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों की मांग है कि भर्ती से जुड़े लंबित मामलों को स्पष्ट किया जाए और योग्य अभ्यर्थियों के हित में जल्द निर्णय लिया जाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विवादों के कारण उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। वे सरकार से मांग कर रहे हैं कि उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए स्पष्ट और समयबद्ध समाधान दिया जाए।

200 करोड़ वलब में शामिल हुई ‘हनुमान अंश’

नई दिल्ली। 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार पकड़ बनाए रखी है। फिल्म ने कमाई के मामले में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 200 करोड़ रुपये के वलब में एंट्री कर ली है। घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ विदेशों में भी फिल्म का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। रिलीज के बाद से ही दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। कहानी, किरदारों और शानदार प्रस्तुति का असर टिकट खिड़की पर साफ नजर आ रहा है। यही वजह है कि फिल्म लगातार मजबूत कलेक्शन कर रही है और अब 200 करोड़ के प्रतिष्ठित वलब में पहुंच गई है। विदेशी बाजार में भी 'हनुमान अंश' का डंका बज रहा है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया ने इसकी कुल कमाई को और मजबूती दी है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए फिल्म के आगे भी शानदार प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद है। फिल्म की लगातार बढ़ती कमाई ने इसे मौजूदा समय की चर्चित फिल्मों की सूची में ला खड़ा किया है।

लखनऊ में चंद्रशेखर को देखने पेड़ पर चढ़े समर्थक, बोले- ‘भाइयों की मांग पूरी होने तक नहीं भरेंगे किसी की मांग’

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद के लखनऊ पहुंचने पर समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उन्हें देखने और उनका संबोधन सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। भीड़ इतनी अधिक थी कि कुछ समर्थक पेड़ों पर चढ़कर कार्यक्रम को देखते नजर आए। चंद्रशेखर के पहुंचते ही समर्थकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया और कई लोग दूर से भी अपने नेता की एक झलक पाने की कोशिश करते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान समर्थकों के बीच एक नारा भी चर्चा में रहा। समर्थकों ने कहा- 'जब तक भाइयों की मांग पूरी नहीं होगी, किसी की मांग नहीं भरेंगे।' इस नारे के जरिए समर्थकों ने अपनी राजनीतिक और सामाजिक मांगों को लेकर एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की। कार्यक्रम स्थल पर समर्थकों की भीड़ और जोश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा



सकता है कि कई लोग निर्धारित जगह के अलावा आसपास की ऊंची जगहों और पेड़ों पर चढ़कर कार्यक्रम देखते दिखाई दिए।

समर्थकों में दिखा जबरदस्त उत्साह

चंद्रशेखर आजाद के समर्थकों ने उनके समर्थन में जमकर नारे लगाए। कार्यक्रम में युवाओं की बड़ी मौजूदगी रही। समर्थकों का कहना था कि वे अपने मुद्दों और अधिकारों को लेकर पीछे हटने वाले नहीं हैं। चंद्रशेखर आजाद भी अपने भाषणों में सामाजिक न्याय, वंचित वर्गों के अधिकार और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। लखनऊ में जुटी भीड़ को उनके समर्थकों की सक्रियता और संगठनात्मक ताकत के तौर पर देखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी बनाए रखने की कोशिश की गई। भीड़ बढ़ने के साथ आयोजकों और पुलिस के सामने व्यवस्था संभालने की चुनौती भी दिखाई दी।

‘मंजिल कठिन नहीं, अपनी राह खुद तैयार करें’

गोमती पुस्तक महोत्सव में योगी ने युवाओं को दिया सफलता का मंत्र

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को किताबों से जुड़ने, लगातार सीखने और अपने लक्ष्य की दिशा में स्वयं रास्ता बनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में मंजिल हासिल करना कठिन जरूर हो सकता है, लेकिन दृढ़ संकल्प और सही दिशा के साथ हर व्यक्ति अपनी राह तैयार कर सकता है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुस्तकें पढ़ने की आदत को व्यक्तित्व निर्माण और



ज्ञानवृद्धि का महत्वपूर्ण माध्यम है, बल्कि वे व्यक्ति को सोचने, बताया। उन्होंने कहा कि किताबें समझने और सही निर्णय लेने की केवल जानकारी देने का साधन नहीं क्षमता भी प्रदान करती हैं।

पुस्तक महोत्सव में साहित्य और ज्ञान का संगम

गोमती पुस्तक महोत्सव में साहित्य, संस्कृति और ज्ञान से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुस्तक प्रेमियों और युवाओं के लिए अलग-अलग विषयों की किताबें उपलब्ध हैं। आयोजन का उद्देश्य लोगों, खासकर नई पीढ़ी को पुस्तकों और साहित्य की दुनिया से जोड़ना है। महोत्सव में साहित्य, शिक्षा और सामाजिक विषयों पर संवाद तथा अन्य गतिविधियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन के जरिए पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को किताबों के करीब लाने का प्रयास किया जा रहा है।

युवाओं से पढ़ने और सीखने का आह्वान

योगी ने कहा कि आज का युवा देश के भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को अपने समय का सदुपयोग करते हुए ज्ञान और कौशल बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य तय करने के साथ उसे हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करना भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को संदेश दिया कि उन्हें परिस्थितियों से निराश होने के बजाय अपनी क्षमता पर भरोसा रखना चाहिए। चुनौतियां रास्ते का हिस्सा हैं, लेकिन मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के जरिए उन्हें पार किया जा सकता है।

13 सितंबर को मौसम का बड़ा अलर्ट: 25 राज्यों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून की सक्रियता बनी हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक 13 सितंबर को देश के करीब 25 राज्यों में भारी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का दौर देखने को मिल सकता है। कुछ इलाकों में हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में बारिश और आंधी की स्थिति बन सकती है। कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। बारिश के दौरान कई स्थानों पर गरज-चमक और आंधी के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ इलाकों में हवा की गति 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। ऐसे में लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और कमजोर ढांचों से दूर रहने की सलाह दी गई है। मौसम में इस बदलाव के पीछे बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव वाले क्षेत्र की भूमिका अहम मानी जा रही है। यह सिस्टम पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से पूर्वी, मध्य और कुछ उत्तरी हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

चुनाव हारने के बाद नहीं मिलेगी दोबारा नौकरी

हाईकोर्ट से सरकारी कर्मचारियों को बड़ा झटका

एजेंसी

राजस्थान। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों के इस्तीफे और चुनाव लड़ने से जुड़े एक अहम मामले में स्पष्ट किया है कि राजनीति में उतरने के लिए स्वेच्छ से नौकरी छोड़ने वाला कर्मचारी चुनाव हारने के बाद दोबारा सरकारी सेवा में बहाली का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि चुनाव में हार जाना ऐसा अप्रत्याशित या बाध्यकारी कारण नहीं है, जिसे सेवा नियमों के तहत 'परिस्थितियों' में अहम बदलाव' माना जाए। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता

नौरज बिश्नोई की याचिका खारिज करते हुए जयपुर स्थित सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल के फैसले को बरकरार रखा। नौरज बिश्नोई उत्तर पश्चिम रेलवे में सीनियर ऑडिटर के पद पर कार्यरत थे। राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 लड़ने के लिए उन्होंने 10 अक्टूबर 2023 को अपने पद से इस्तीफा दिया था। विभाग ने उनका इस्तीफा 1 नवंबर 2023 को स्वीकार कर लिया। इसके बाद बिश्नोई ने चूरू जिले की रतनगढ़ विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा।



योगी ने याद किया मोदी का गुजरात कार्यकाल, बोले- फैसलों ने बदली प्रदेश की दशा और दिशा

सीएम योगी ने गिनाया गुजरात का विकास मॉडल, बोले- पीएम मोदी ने बदल दी राज्य की तस्वीर

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर बिताए 13 साल के कार्यकाल का जिक्र करते हुए उनके फैसलों और विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 से पहले गुजरात भी देश के दूसरे राज्यों की तरह ही एक सामान्य राज्य था, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए फैसलों ने प्रदेश की विकास यात्रा को नई

गुजरात को विकास और तकनीक का उदाहरण बताया

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में गुजरात ने केवल कल्याणकारी योजनाओं के स्तर पर ही रुक नहीं देखा, बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में भी राज्य ने अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि 13 वर्षों के दौरान गुजरात देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का केंद्र बना और दूसरे राज्यों के लिए विकास के कई नए उदाहरण सामने आए।

दिशा दी। सीएम योगी के मुताबिक उस दौर में गुजरात के सामने पानी की कमी, सूखा, सिंचाई,

सरदार सरोवर परियोजना से गांवों तक पहुंचा पानी

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुजरात में लंबे समय से अटकी सरदार सरोवर परियोजना को आगे बढ़ाकर पूरा किया गया। इसके बाद उन इलाकों तक भी पानी पहुंचा, जहां लंबे समय से पेयजल का संकट बना हुआ था। उन्होंने कहा कि इससे अंतिम गांव तक पेयजल की सुविधा पहुंचाने में मदद मिली और सिंचाई के क्षेत्र में भी बदलाव आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में उस समय सूखे की समस्या गंभीर थी।

कनेक्टिविटी और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई चुनौतियां थीं। नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री बनने

इंसेफेलाइटिस की लड़ाई का भी किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस के खिलाफ चली लंबी लड़ाई को भी याद किया। उन्होंने कहा कि सांसद रहते हुए उन्होंने इस बीमारी से प्रभावित परिवारों और बच्चों की स्थिति को करीब से देखा था। बीमारी की वजह से बड़ी संख्या में मासूम बच्चों की जान जाती थी और इसे लेकर वह कई बार भावुक भी हुए। योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1970 के दशक से इंसेफेलाइटिस गंभीर समस्या बनी हुई थी।

के बाद इन समस्याओं के समाधान पर तेजी से काम हुआ और राज्य की तस्वीर बदलने लगी।

नेशनल प्रताप सिंह ने सपा और कांग्रेस पर हमला बोलाते हुए दोनों दलों की राजनीतिक सझेरो पर तंज किया। उन्होंने दोनों को 'विक्रम और बेताव' की जोड़ी बनाकर पूछा कि कांग्रेस, सपा के सहारे भी अमेठी और रायबरेली का जौत हासिल नहीं कर सकती। उन्होंने सपा के शासनकाल को लेकर भी कई आरोप लगाए और कहा कि उस दौरान दलितों के खिलाफ अत्याचार घटनाएँ ज्यादा हुईं। बीजेपी प्रवक्ता ने विषय पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी राजनीति तक प्रगति रह गई है, सोशल मीडिया पोस्ट और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप अब सीमिड रह गई है।